यह सच नहीं हो सकता!

(कहानी)

2

एक आदमी को कहानियाँ सुनने का इतना शौक़ था कि वह अपने घर के सामने से गुज़रने वालों को भी कहानियाँ सुनाने के लिए रोक लेता। लेकिन कहानी सुनने के बाद वह यह ज़रूर कहता, "यह सच नहीं हो सकता!" इसलिए लोग उसको कहानी सुनाना पसंद नहीं करते थे।

एक दिन उसने लालबुझक्कड़ से कहानी सुनाने को कहा। लालबुझक्कड़ अपनी चतुराई के लिए मशहूर था।

"मैं कहानी सुनाने के लिए तैयार हूँ। लेकिन एक वादा करना होगा। यह सच नहीं है, मत कहना।"

"मैं वादा करता हूँ।" उस आदमी ने कहा।

"अगर तुमने कहा तो मैं तुम्हारे अनाज के भंडार से एक बोरी चावल ले जाऊँगा। मंज़ूर है?" लालबुझक्कड़ ने फिर कहा।

"हाँ, हाँ, मंज़ूर है। तुम शुरू करो अपनी कहानी," उस आदमी ने कहा। लालबुझक्कड़ ने कहानी शुरू की।

एक बार एक राजा पालकी में जा रहा था। वह पहाड़ी रास्ते पर पहुँचा तो पता नहीं कहाँ से एक चील आ गई। वह आसमान में पालकी के ऊपर चक्कर लगाने लगी और साथ ही बोलती जाती, "पीप-पीप... प्र...र-र-र...!"

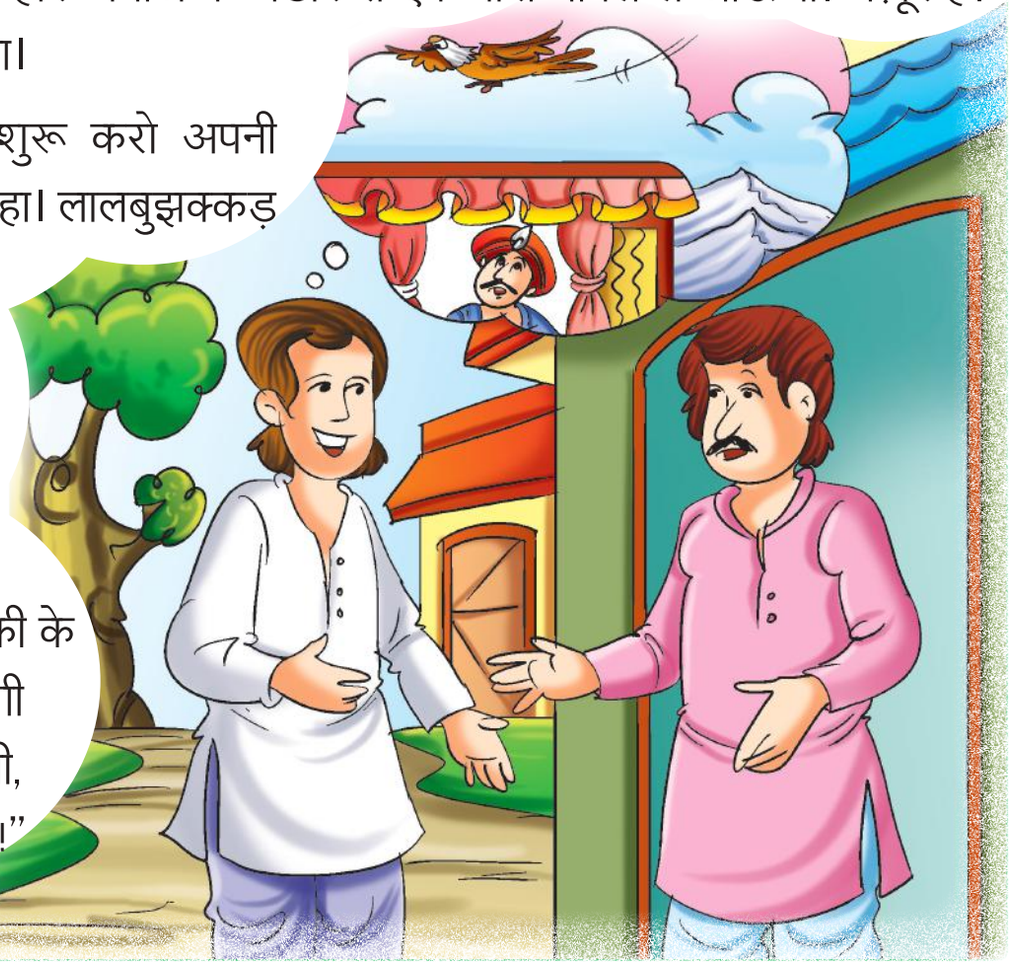

यह देखने के लिए कि क्या है, राजा ने अपना सिर पालकी के बाहर निकाला और ऊपर देखा।

चील की बीट उसके कपड़ों पर गिरी। लेकिन राजा नाराज़ नहीं हुआ। उसने अपने नौकरों को दूसरे साफ़ कपड़े लाने का हुक्म दिया। कपड़े लाए गए। राजा ने कपड़े बदले और अपनी यात्रा जारी रखी।

लेकिन चील पालकी के ऊपर चक्कर लगाती उड़ती रही और बोलती रही, "पीप-पीप...र-र-र...!"

राजा ने फिर अपना सिर बाहर निकाला। इस बार बीट उसकी तलवार पर गिरी। फिर भी वह नाराज़ नहीं हुआ। "नई तलवार ले आओ," उसने हुक्म दिया। नई तलवार आ गई, राजा ने तलवार कमर में लटकाई और आगे बढ़ा।

जल्दी ही चील फिर उसी प्रकार शोर मचाती आ गई और पालकी के चारों ओर उड़ती रही।

राजा ने फिर अपना सिर पालकी के बार निकाला। और इस बार तो बीट राजा के सिर पर गिरी! फिर भी राजा नाराज़ नहीं हुआ। "नया सिर ले आओ," उसने हुक्म दिया।

नया सिर लाया गया। राजा ने तलवार से अपना सिर काट दिया और उसकी जगह नया सिर लगा दिया, फिर वह आगे बढ़ा।"

जो आदमी कहानी सुन रहा था, वह ज़ोर से बोला, "यह सच नहीं हो सकता!"

"अब तो मैं एक बोरी चावल ले जाऊँगा। धन्यवाद!" लालबुझक्कड़ ने कहा और चावल की बोरी उठाकर चल दिया।

शब्द- भंडार

शौक़ — चाव *(hobby)*,
वादा — वचन *(promise)*,
मशहूर — प्रसिद्ध *(popular)*,
हुक्म — आदेश *(command)*।

अभ्यास

मौखिक

1. इन शब्दों को पढ़कर सुनाइए–

कहानियाँ	बुझक्कड़	चतुराई	मशहूर	मंज़ूर
पालकी	यात्रा	धन्यवाद	हुक्म	

2. निम्नलिखित प्रश्नों के मौखिक उत्तर दीजिए–

(क) आदमी को क्या शौक़ था?

(ख) कहानी सुनने के बाद आदमी क्या कहता?

(ग) लालबुझक्कड़ किसलिए मशहूर था?

लिखित

1. सही उत्तर पर (✓) का निशान लगाइए–

(क) राजा जा रहा था–

- ☐ कार में
- ☐ बैलगाड़ी में
- ☐ पालकी में
- ☐ रथ पर

(ख) पालकी के ऊपर चक्कर लगाने लगी–

- ☐ चिड़िया
- ☐ चील
- ☐ परी
- ☐ राक्षस

(ग) राजा के कपड़ों पर गिर गई–

- ☐ खीर
- ☐ दही
- ☐ चील की बीट
- ☐ रसगुल्लों की चाशनी

2. सही कथन के सामने (✓) तथा गलत के सामने (✗) का निशान लगाइए–

(क) आदमी को गाना सुनने का शौक़ था। ☐

(ख) लोग उसको कहानी सुनाना पसंद नहीं करते थे। ☐

(ग) आदमी ने लालबुझक्कड़ को एक बोरी चावल दिए। ☐

(घ) कहानी के अनुसार राजा ने क्रोध में आकर नौकरों के सिर काट डाले थे। ☐

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(क) लोग उस आदमी को कहानी सुनाना पसंद क्यों नहीं करते थे?

(ख) लालबुझक्कड़ ने कहानी सुनाने से पहले आदमी के सामने क्या शर्त रखी?

(ग) राजा ने पालकी से सिर बाहर क्यों निकाला?

(घ) किस बात पर आदमी ने कहा–"यह सच नहीं हो सकता"?

भाषा-ज्ञान

1. पढ़ो और समझो–

कहानी	–	कहानियाँ	कपड़ा	–	कपड़े
पालकी	–	पालकियाँ	वादा	–	वादे
बोरी	–	बोरियाँ	कमरा	–	कमरे

2. सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे करो–

(क) चील की बीट उसके कपड़ों पर ..... । (गिरा/गिरी)

(ख) उसने हुक्म ..... । (दिया/दी)

(ग) राजा नाराज़ नहीं ..... । (हुई/हुआ)

(घ) आदमी कहानी सुन ..... । (रहा था/रही थी)

(ङ) नया सिर लाया ..... । (गई/गया)

क्रियात्मक गतिविधि

- ई-मेल द्वारा पत्र कैसे भेजते हैं? अपने अध्यापक/अध्यापिका से जानिए।